दैनिक सामयिकी: ०७.०७.२०२१

फ्रेट स्मार्ट सिटीज

चर्चा में क्यों?

- **वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत लॉजिस्टिक्स डिवीजन** ने 'फ्रेट स्मार्ट शहरों' के लिए योजनाओं का अनावरण किया।
- मंत्रालय ने 'फ्रेट स्मार्ट सिटीज' पर वेबसाइट लॉन्च की और शहरों की माल ढुलाई में सुधार के लिए उठाये जा सकने वाले14 उपायों की रूपरेखा वाली एक विवरण पुस्तिका भी जारी की।

प्रमुख बिंदु

फ्रेट स्मार्ट सिटीज

- **फ्रेट,** सरल भाषा में, माल या कार्गो का मतलब है। इन्हें जहाज, ट्रेन, ट्रक या हवाई जहाज द्वारा ले जाया जा सकता है।

आवश्यकता:

- भारतीय शहर राष्ट्र की आर्थिक गतिविधियों को चला रहे हैं, जो राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 63% से अधिक का योगदान करते हैं।
- यह और भी अधिक प्रासंगिक है क्योंकि शहरी माल ढुलाई की मांग अगले 10 वर्षों में 140 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है।
- वर्तमान में भारतीय शहरों में ग्राहकों तक सामान पहुंचाने के अंतिम चरण में माल ढुलाई गतिविधियों की लागत भारत की बढ़ती ई-कॉमर्स आपूर्ति श्रृंखला की कुल लागत का 50 प्रतिशत है।

तत्काल आधार पर पहचाने जाने वाले **10 शहरों** से लेकर, अगले चरण में सूची को 75 शहरों तक विस्तारित करने की योजना है, जिसके बाद इसका विस्तार पूरे देश में किया जायेगा जिसमें सभी राज्यों की राजधानियों और दस लाख से अधिक आबादी वाले शहर शामिल होंगे।

नोट: शहरों की लॉजिस्टिक पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत को लेकर सबसे पहले **19 जनवरी, 2021 को लॉजिस्टिक्स पर राज्यों के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन** के दौरान राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के साथ चर्चा की गयी थी।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

फ्रेट स्मार्ट शहरों का महत्व:

- यह उम्मीद की जाती है कि भारत में इस दशक में 124 मिलियन लोगों को शहरों में जोड़ा जाएगा, जिससे शहरी माल की मांग में 140% की वृद्धि होगी। इसके अलावा, ई-कॉमर्स बाजार के 2022 तक बढ़कर 11 लाख करोड़ रुपये होने की उम्मीद है।

माल ढुलाई व्यवस्था में सुधार के उपाय:

- लॉजिस्टिक्स डिवीजन द्वारा जारी हैंडबुक शहरी माल ढुलाई प्रणाली को बढ़ाने के लिए 14 प्रमुख उपायों पर केंद्रित है। इसके अनुसार, उपायों को **चार श्रेणियों - वाहन उपयोग अनुकूलन, बुनियादी ढांचा विकास, मांग और भूमि उपयोग योजना, और प्रौद्योगिकी अपनाना** में विभाजित किया गया है।

लॉजिस्टिक्स डिवीजन के बारे में:

- लॉजिस्टिक्स डिवीजन की स्थापना 7 जुलाई, 2017 को भारत सरकार नियम, 1961 के परिणामस्वरूप वाणिज्य विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में की गई थी।
- इसका उद्देश्य देश में लॉजिस्टिक्स सेक्शन के एकीकृत विकास के लिए नीतिगत बदलाव, मौजूदा प्रक्रियाओं में प्रगति, कमियों का पता लगाना और इस क्षेत्र में प्रौद्योगिकी की शुरुआत के माध्यम से एक कार्य योजना विकसित करना है।
- **फ्रेट स्मार्ट सिटी पहल** पर, लॉजिस्टिक्स डिवीजन भारत-जर्मन विकास सहयोग के तहत GIZ (जर्मनी), रॉकी माउंटेन इंस्टीट्यूट (RMI) और RMI इंडिया के साथ मिलकर काम कर रहा है।

स्रोत: PIB

आयुष मंत्री ने आयुष क्षेत्र पर 5 महत्वपूर्ण पोर्टल लॉन्च किए

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय आयुष मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) किरेन रिजिजू ने **आयुष क्षेत्र पर 5 महत्वपूर्ण पोर्टल** का लॉन्च किए।
- उन्होंने भारत की पारंपरिक भारतीय चिकित्सा प्रणाली से संबंधित 4 प्रकाशन भी जारी किए।
- आयुष भारतीय लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने के लिए **राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन** में एक बड़ी भूमिका निभाने जा रहे हैं।

प्रमुख बिंदु

पांच पोर्टल:

- **भारत की क्लिनिकल परीक्षण रजिस्ट्री पर आयुर्वेद डेटासेट- CTRI पोर्टल** विश्व स्वास्थ्य संगठन के

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

अंतर्राष्ट्रीय क्लिनिकल परीक्षण रजिस्ट्री प्लेटफॉर्म के तहत क्लिनिकल परीक्षण का प्राथमिक रजिस्टर है।

- **CCRAS-अनुसंधान प्रबंधन सूचना प्रणाली (RMIS)**- ICMR और CCRAS का एक सहयोगात्मक प्रयास, यह पोर्टल आयुर्वेद आधारित अध्ययनों में अनुसंधान और विकास के लिए वन स्टॉप समाधान होगा।
- **e-Medha (इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल हेरिटेज एक्सेसेशन) पोर्टल-** NIC के ई-ग्रंथालय प्लेटफॉर्म के माध्यम से 12000 से अधिक भारतीय चिकित्सा विरासत पुस्तकों के लिए ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग।
- **SHAI (शोकेस ऑफ आयुर्वेद हिस्टोरिकल इम्प्रिंट्स) पोर्टल-** SHAI पोर्टल शिलालेख, मूर्तियां, पुरातत्व-वानस्पतिक जानकारी, उन्नत पुरातत्व आनुवंशिक अध्ययन और भाषाशास्त्रीय स्रोतों को प्रदर्शित करता है।
- **AMAR (आयुष मैन्यूस्क्रिप्ट्स एडवांस्ड रिपॉज़िटरी) पोर्टल-** AMAR पोर्टल अत्यधिक मूल्य का है और इसने पुस्तकालयों में या व्यक्तिगत संग्रह में आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा की पांडुलिपियों और कैटलॉग को खोजने के लिए दुर्लभ और कठिन जानकारी को डिजिटाइज़ किया है।

चार प्रकाशन:

- एशिया में SOWA-RIGPA को परिरक्षण और संवर्धन करने पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला की कार्यवाही
- आयुर्वेद-श्रृंखला-1, खंड-1 में वर्णित महत्वपूर्ण अनाजों का संग्रह
- पथ्यापथ्य विनिष्कया- आयुर्वेद की एक महत्वपूर्ण पुस्तक और इसमें आहार और जीवन शैली का विवरण है।
- आयुर्वेद संग्रह: आयुर्वेद की एक महत्वपूर्ण शास्त्रीय पाठ्यपुस्तक

राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन (NDHM) के बारे में:

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस 2020 पर NDHM की स्थापना की घोषणा की थी।
- NDHM भारत सरकार की एक एजेंसी है जो भारतीय लोगों को चिकित्सा पहचान दस्तावेज प्रदान करना चाहती है।
- यह पहचान दस्तावेज लोगों को आयुष्मान भारत योजना का उपयोग करने में सक्षम करेगा, जो भारत की सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित स्वास्थ्य देखभाल में एक सेवा है।

स्रोत: PIB

छह प्रौद्योगिकी नवाचार मंच

चर्चा में क्यों?

- **भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्रालय** ने छह प्रौद्योगिकी नवाचार मंचों का उद्घाटन किया जो **भारत में विश्वस्तरीय प्रतियोगी विनिर्माण** के लिए तकनीक के विकास पर फोकस करेंगे।

प्रमुख बिंदु

- छह तकनीकी मंचों का विकास **IIT मद्रास, सेंट्रल मैन्युफैक्चरिंग टैक्नोलॉजी इंस्टिट्यूट (CMTI), इंटरनैशनल सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी (iCAT), ऑटोमोटिव रिसर्च असोसिएशन ऑफ इंडिया (ARAI), BHEL और IISc बैंगलुरू के साथ HMT** ने किया है।
- यह मंच उद्योग (OEMs, प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी और तृतीय श्रेणी की कंपनियों और कच्चे माल के निर्माताओं समेत), स्टार्टअप, डोमेन विशेषज्ञ/पेशेवरों, अनुसंधान और विकास संस्थानों और शिक्षाविदों

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

(कॉलेज और विश्वविद्यालयों) को विनिर्माण तकनीकी के मुद्दों पर तकनीकी समाधान, सुझाव, विशेषज्ञों की राय आदि की सुविधा प्रदान करेंगे।

- 39000 से ज्यादा छात्र, विशेषज्ञ, संस्थाएं, उद्योग और प्रयोगशालाएं इन मंचों पर पहले ही पंजीकृत हो चुकी हैं।

भारतीय विनिर्माण उद्योग के मुद्दे:

- अपर्याप्त कुशल कार्यबल
- कड़े श्रम कानून
- अनुसंधान एवं विकास पर कम खर्च
- बुनियादी ढांचा

आगे का रास्ता

- कौशल प्रदान करना
- श्रम कानूनों में सुधार
- स्थिर विद्युत आपूर्ति
- अनुसंधान एवं विकास पर अधिक खर्च
- रसद लागत को कम करना

स्रोत: PIB

भारत OECD/G20 इंक्लूसिव फ्रेमवर्क टैक्स डील में शामिल हुआ

चर्चा में क्यों?

- भारत **आर्थिक सहयोग और विकास संगठन** (OECD) और **G20 इंक्लूसिव फ्रेमवर्क टैक्स डील में शामिल हो गया है।**
- **भारत और OECD/G20 के अधिकांश सदस्य आधार क्षरण और लाभ स्थानांतरण पर समावेशी ढांचे** ने अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण से उत्पन्न होने वाली कर चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक आम सहमति समाधान की रूपरेखा वाले एक उच्च-स्तरीय विवरण को अपनाया।
- प्रस्तावित समाधान में **दो घटक शामिल हैं- स्तंभ एक** जो बाजार के अधिकार क्षेत्र में लाभ के अतिरिक्त हिस्से के पुन: आवंटन के बारे में है और **स्तंभ दो** में न्यूनतम कर शामिल है और कर नियमों के अधीन है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

प्रमुख बिंदु

स्तंभ एक:

- यह डिजिटल कंपनियों सहित सबसे बड़े MNE के संबंध में देशों के बीच मुनाफे और कर अधिकारों का उचित वितरण सुनिश्चित करेगा।
- यह MNE पर उनके घरेलू देशों से उन बाजारों में कुछ कर अधिकार फिर से आवंटित करेगा जहां उनकी व्यावसायिक गतिविधियां हैं और लाभ अर्जित करें, भले ही फर्मों की वहां भौतिक उपस्थिति हो।

स्तंभ दो:

- यह न्यूनतम कर और विषय-से-कर नियमों के बारे में है (आय के सभी स्रोत कर के लिए उत्तरदायी हैं, बिना कर भत्ते को ध्यान में रखे)।
- यह वैश्विक न्यूनतम कॉर्पोरेट कर दर के माध्यम से देशों के बीच न्यूनतम मानक कर दर रखना चाहता है, जो वर्तमान में 15% प्रस्तावित है।

भारत को वैश्विक कर व्यवस्था लागू होने पर Google, Amazon और Facebook जैसी कंपनियों पर लगाए जाने वाले समान लेवी को वापस लेना होगा।

- ऑनलाइन विज्ञापनों के लिए एक अनिवासी सेवा प्रदाता को प्रति वर्ष 1 लाख रुपये से अधिक के भुगतान पर 6% की दर से लेवी 2016 से लागू है।

OECD/G20 बेस इरोजन एंड प्रॉफिट शिफ्टिंग प्रोजेक्ट:

- बेस इरोशन एंड प्रॉफिट शिफ्टिंग एक OECD/G20 प्रोजेक्ट है, जो बेस इरोजन और प्रॉफिट शिफ्टिंग टूल्स का इस्तेमाल करते हुए बहुराष्ट्रीय उद्यमों द्वारा टैक्स से बचने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय ढांचा स्थापित करने के लिए है।

आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD) के बारे में:

- यह 38 सदस्य देशों के साथ एक अंतर-सरकारी आर्थिक संगठन है, जिसकी स्थापना 1961 में आर्थिक प्रगति और विश्व व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए की गई थी।
- **मुख्यालय:** पेरिस, फ्रांस

स्रोत: PIB

केंद्र सरकार ने LIC चेयरमैन की सेवानिवृत्ति उम्र 62 साल तक बढ़ा दी

चर्चा में क्यों?

- केंद्र सरकार **भारतीय जीवन बीमा निगम (स्टाफ) विनियम, 1960** में संशोधन करके IPO बाध्य LIC के चेयरमैन की सेवानिवृत्ति उम्र बढ़ा कर 62 साल के लिए कर दी है।
- नियमों में किए गए बदलावों **को भारतीय जीवन बीमा निगम (स्टाफ) संशोधन नियम, 2021** कहा जाएगा।

Follow us on Telegram
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

प्रमुख बिंदु

- पिछले महीने, सरकार ने चालू वित्त वर्ष के अंत में बीमाकर्ता के प्रस्तावित प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के मद्देनजर LIC के चेयरमैन एम आर कुमार को मार्च 2022 तक नौ महीने के विस्तार को मंजूरी दी थी।

नोट:

- भारतीय स्टेट बैंक सहित कुछ अपवादों को छोड़कर अधिकांश सार्वजनिक उपक्रमों के शीर्ष अधिकारियों के लिए सेवानिवृत्ति की आयु 60 वर्ष है।

भारतीय जीवन बीमा निगम के बारे में:

मुख्यालय: मुंबई
चेयरमैन: एम आर कुमार
संस्थापक: भारत सरकार
स्थापना: 1 सितंबर 1956

स्रोत: इकोनॉमिक्स टाइम्स

रीजेनरॉन अंतरराष्ट्रीय विज्ञान और इंजीनियरिंग मेला

चर्चा में क्यों?

- **टीम इंडिया 2021** ने **रीजेनरॉन अंतरराष्ट्रीय विज्ञान और इंजीनियरिंग मेले (ISEF)** में 9 सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार और 8 विशेष पुरस्कार जीते।

प्रमुख बिंदु

- STEM -IRIS राष्ट्रीय मेले में अनुसंधान व नवाचार के लिए की गई पहल के 26 विजेताओं ने रीजेनरॉन

Follow us on Telegram
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

अंतरराष्ट्रीय विज्ञान और इंजीनियरिंग मेले में 'टीम इंडिया 2021' के रूप में भाग लिया।

रीजेनरॉन अंतरराष्ट्रीय विज्ञान और इंजीनियरिंग मेले (ISEF) के बारे में:

- यह संयुक्त राज्य अमेरिका में एक वार्षिक विज्ञान मेला है। इसका स्वामित्व और प्रबंधन सोसाइटी फॉर साइंस द्वारा किया जाता है, जो वाशिंगटन, DC में स्थित एक 501 गैर-लाभकारी संगठन है।

स्रोत: PIB

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now